परमेश्वर की न कोई काया | By Satyjit Jain

परमेश्वर की ना कोई काया।।
ना कोई आकर है।।
कण कण के वासी का जग में
पाया किसने पार है
परमेश्वर की ना कोई काया।।
ना कोई आकर है।।

बिन पैरों के चलता है वो
कानों बिन हर बात सुनी
हाथ नहीं दिखते पर जग के
लाखों करोड़ो काम करे
बिन सुई.....
बिन सुई बिन धागा नर तन
चोला ये तैयार है
परमेश्वर की ना कोई काया।।
ना कोई आकर है।।

पत्ता पत्ता कतरन न्यारी
बिन कैंची कैसे कतरी
अलग अलह शक्लों के ढाँचे
बिन सांचे कैसे उतरे
हर अफसर का.....
हर अफसर का है वो अफसर
सबका वो सरदार है
परमेश्वर की ना कोई काया।।
ना कोई आकर है।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%b0-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%88-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%af%e0%a4%be-by-satyjit-jain/